701
10/12/12

खण्ड-8 संख्या-15

दशम
बिहार विधान-सभा

बिहार विधान-सभा वादवृत्त
(भाग-2 कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)
वृहस्पतिवार तिथि 16 जुलाई, 1992 ई०।

सत्यमेव जयते

(2) जिला नियंत्रण कक्ष में इंधन का दुरूपयोग किया जाना।

(3) अनियमित ढंग से पार्टस बिक्रेता मे० वर्णवाल-स्टोर्स से पार्टस खरीदना, जिनका न कोई वर्कशॉप है और न गैरेज है।

(4) जिलाधिकारी की इच्छानुसार वाहनों की मरम्मती में सालाना लाखों रुपये का भुगतान किया जाना।

(5) धारा 1 (10) एवं 3 (10) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति (अपराध निरोध अधिनियम का उल्लंघन।

मैं मांग करता हूँ कि इसकी जाँच ऐडिशनल चीफ सेक्रेटरी, श्री सेक्सेना से करायी जाए।

(च) स्थानान्तरण आदेश रद्द करना :

श्री अवनीश कुमार सिंह :- अध्यक्ष महोदय, अभी जहां एक ओर बिहार राज्य भीषण सुखाड़ की स्थिति से गुजर रहा है, हम सभी खरीफ की खेती एवं लाखों गरीब किसानों के भविष्य के लिए चिन्तित हैं, वही दूसरी और इसी समय कृषि विभाग अधिसूचना सं० 4750 एवं 4752 दिनांक 30.6.92 के द्वारा 199 प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को सेवाये ग्रामीण विकास विभाग से वापस ले रहा है। इसमें ऐसे भी प्रखड विकास पदाधिकारी है, जो कुछ ही महीने पूर्वयोगदान किए हैं। इस सुखाड़ की स्थिति एवं खरीफ के

मौसम में इस स्थानान्तरण से आम लोगों की काफी कठिनाई होगा।

ज्ञातव्य हो कि इन प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को सभी विधायक अपनी अनुशंसा पर पदस्थापित कराये थे एवं इसके फलस्वरूप अच्छे वातावरण में विकास एवं जनहित की योजनाएं कार्यान्वित हो रही थी, फिर अचानक इतने प्रखड विकास पदाधिकारियों के स्थानान्तरण से सुखाड़ एवं कृषि उत्पादन पर बहुत ही प्रतिकुल प्रभाव होगा।

अतः मैं लोकहित में यह चाहूंगा कि तत्का इस स्थानान्तरण आदेश को रद्द किया जाय।

डा0 शकील अहमद :- अध्यक्ष महोदय, इसी तरह का मेरा भी है। 199 प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को एक साथ स्थानान्तरण कर दिया गया है। इस राज्य में भीषण सुखाड़ की स्थिति है, खरीफ फसल की खेती नहीं हो रही है...

श्री राजो सिंह :- ठीक हुआ है। ये लोग खरीफ की खेती के कार्य के लिए रहेंगे या बैल गाय बाटने के लिए रहेंगे।

श्री महेन्द्र झा आजाद :- यह ठीक हुआ है, इसको लागू कीजिये।

श्री राम जतन सिन्हा :- यह बहुत अच्छा काम हुआ है।

श्री राम जीवन सिंह :- अध्यक्ष महोदय, मैं स्थिति स्पष्ट कर देना चाहता हूँ।

87-88 में जो कृषि निरीक्षक के रूप में थे.....

श्री राजोसिंह :- आपको स्थिति स्पष्ट करने की जरूरत नहीं है, आप जो कर रहे हैं वह ठीक कर रहे हैं।

(छ) डिप्लोमा इनजीयरिंग तथा आई०टी०आई० पढ़ाई की व्यवस्थाः

श्री बेनी प्रसाद गुप्ता :- अध्यक्ष महोदय, साहेबगंज लिा के पाकुड़ में फैले पत्थर खनन क्षेत्र में आई०टी०आई० तथा डिप्लोमा इंजिरियरिंग के पढ़ाई की कोई व्यवस्था नहीं है। यहां छोटे-बड़े सैकड़ों लघु उद्योग कार्ररत हैं। सैकड़ों खादानें हैं, उनमें तथा राज्य के बाहर प० बंगाल के खादनों तथा कारखानों में भी यहां के प्रशिक्षित युवकों का नियोजन संभव है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को तरह वर्तमान सरकार भी उस दिशा में कुछ नहीं कर रही है। अतः सदन के माध्यम से इस पिछड़े आदिवासी इलाके में आई०टी०आई० तथा डिपलोमा इंजीनियरिंग की पढ़ाई प्रारंभ करने की मांग करता हूँ।

(ज) स्वास्थ्य उपकेन्द्र खोलने के संबंध में :

श्री महेन्द्र प्रसाद सिंह :- अध्यक्ष महोदय, 1990 के बजट सा में वर्तमान सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ने तमाम विधान सभा क्षेत्रों में विधायकों की अनुशंसा पर अतिरिक्त सवास्थ्य उपकेन्द्र बनाने की घोषण की थी, जिसर